बड़े लॉजिस्टिक पार्क बनाने पर 30% सस्ती भूमि मिलेगी

■ अजित खरे

- कम से कम एक हजार करोड़ का निवेश जरूरी
- रोड, रेल व एक्सप्रेसवे वाले शहरों में बनेंगे ऐसे पार्क

लखनऊ। यूपी में अब बड़े स्तर पर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण होगा। इस सेक्टर में देश विदेश की बड़ी कंपनियों को लाने के लिए सरकार उन्हें बड़ी राहत देगी। इसके लिए निवेशकों को जमीन खरीदने पर तीस प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसमें उन कंपनियों को मौका मिलेगा जो कम से कम 1000 करोड़ रुपये का निवेश इस सेक्टर में करेंगी।

यह पार्क एक्सप्रेसवे, हाइवे से सीधे जुड़े बड़े शहरों में बनेंगे। इसके लिए सरकार बड़े निवेशकों विशाल भूखंड की व्यवस्था करवाएगी। अमेरिका, यूएई व अन्य देशों की कई कंपनियों ने यूपी में बड़े लॉजिस्टिक पार्क बनाने में रुचि दिखाई है। इसके लिए औद्योगिक विकास विभाग ने उत्तर प्रदेश मल्टी माडल लॉजिस्टिक पार्क नीति 2024 का मसौदा तैयार कर लिया है। इसे जल्द कैबिनेट से पास कराया जाएगा।

यूपीडा ने लाजिस्टिक पार्क के लिए 17000 एकड़ की जमीन विभिन्न हिस्सों में चिन्हित की है। आरएएमके समूह ने इस क्षेत्र में 3500 करोड़ रुपये के निवेश की रुचि दिखाई है। इसके अलावा सुमितटोमो कारपोरेशन, सेमबकार्प, डीपी वर्ल्ड आदि कंपनियां भी इसमें निवेश की इच्छुक हैं।

यह सुविधाएं होंगी

मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क में आधुनिक वेयरहाउस, शीतगृह, इंटर मॉडल ट्रांसफर कनटेनर, कार्गो टर्मिनल आदि सुविधाएं एक साथ होती हैं। इसके अलावा कस्टम क्लीयरेंस, स्टोरेज यार्ड, वेयरहाउस मैनेजमेंट सर्विस, टेस्टिंग सेंटर, माल की पैकेजिंग, ग्रेडिंग, लेबलिंग जैसी सुविधाएं भी इसी पार्क में उपलब्ध होती हैं।

यूपी का पहला लाजिस्टिक पार्क वाराणसी में : यूपी का पहला मल्टी माडल वाटरवेज टर्मिनल पार्क वाराणसी में गंगा किनारे बन रहा है। रामनगर में बनने वाला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क में एक्सपोर्ट जोन के साथ ही पैकेजिंग इंस्टीट्यूट आदि विकसित किया जाएगा। विशाल जलमार्ग की वजह से वाराणसी में यह मल्टी मॉडल लाजिस्टिक पार्क बन रहा है। यहां गंगा में मालवाहक पोत के जरिए माल कोलकाता तक भेजा जा सकता है। यहां से दूसरे देशों को माल का निर्यात हो सकेगा।